लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1705

10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र मेला

1705. श्री हरीभाई पटेल:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र मेला सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने आगामी वर्षों में देश में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वस्त्र निर्यात हेतु कोई लक्ष्य निर्धारित किये हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): जी, नहीं।

(ख): वस्त्र हेतु उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना दिनांक 24/09/2021 को अधिसूचित की गई थी। इसका उद्देश्य देश में एमएमएफ अपैरल और फैब्रिक्स तथा तकनीकी वस्त्र उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देना था। इससे वस्त्र उद्योग को साइज और स्केल हासिल करने, प्रतिस्पर्धी बनने, लोगों के लिए रोजगार के मौके सृजित करने और एक काम करने लायक उद्यम और प्रतिस्पर्धी वस्त्र उद्योग बनाने में सहायता मिलेगी। इसके लिए 10,683 करोड़ रुपए के परिव्यय का अनुमोदन दिया गया। पीएलआई योजना के मापदंड मे अक्टूबर, 2025 मे बदलाव किया गया है, जिसमें न्यूनतम निवेश सीमा 50% तक कम कर दी गई है, दूसरे वर्ष से बढ़ोत्तरी व्यवसाय मानदंड 25% से घटाकर 10% कर दिया गया है, एमएमएफ अपैरल और फैब्रिक्स के 17 नए उत्पादों को शामिल करके प्रोडक्ट बास्केट को बढ़ाया गया है, साथ ही योजना का लाभ उठाने के लिए नई कंपनी बनाने की शर्त भी हटा दी गई है। ये बदलाव संपूर्ण एमएमएफ मूल्य श्रृंखला में निवेश को बढ़ावा देने और एमएमएफ अपैरल, फैब्रिक्स और तकनीकी वस्त्र उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए किए गए हैं।

(ग): वस्त्र मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक 9 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

***